शब्दार्थ : कमज़ोरी = दुर्बलता (Weakness)। **कठिनाई** = कठिनता (Difficulty)। **शुभचिंतक** = हितैषी, भलाई चाहने वाला (Wellwisher)। **प्रसन्न** = खुश, हर्षित (Happy)। **सूचना** = जानकारी (Information)। **प्रतिकूलता** = विपरीतता (Opposite, adverse)। **मज़ाक** = परिहास, हँसी ठट्ठा (Jokes)। **स्वच्छ** = साफ-सुथरा (Neat and Clean)। **धुँधला** = अस्पष्ट (Unclear)। **कीचड़** = गीली मिट्टी (Mud)। **जलाशय** = तालाब (Pond)। **धमाका** = वज़नदार वस्तु के गिरने से उत्पन्न गंभीर शब्द (Sound made by the fall of a heavy object on the ground)। **अफ़सोस** = दु:ख (Pain, Sad)। **अदृश्य** = जो दिखाई न दे, ओझल (Invisible, Unseen)। **उत्साह** = उमंग, हौंसला (Enthusiasm)। **विलंब** = देर (Late)। **निस्तार** = उद्धार (Salvation, Deliverance)। **विह्वल** = द्रवित, व्याकुल (Alarmed, Agitated)। **घेऊर** = ताल में उपजनेवाली घासें (A kind of grass grew in pond)। **मोथा, साईं, बनप्याज़** = खेतों में उपजनेवाली घासों के नाम (Weedicides)। **विशूचिका** = संक्रामक रोग, हैज़ा, चेचक (Infectious disease)। **बरबस** = अनायास (Without difficulty)। **शीत** = ठंडक (Cool)। **हुड़क** = चिढ़ना (Tease)। **ज्वर** = बुखार (Fever)। **साबू** = साबूदाना (Sago)। **मिश्रित** = मिला हुआ (Mixed)। **किस्म** = प्रकार (Kind)। **उत्साह** = प्रसन्नता, खुशी (Excitement)। **विलंब** = देर (Late)। **अतुल** = अत्यधिक (Unparalleled)। **शापभ्रष्ट** = शाप से पीड़ित (Sworn)। **विलीन** = गायब, छिपा हुआ। (Hidden)। **घिनौनी** = घृणित (Hateful)। **धूमिल** = धुंधला (Smoky)।

Scanned with CamScanner

प्रश्न-अभ्यास

• कहानी से—

प्रश्न 1. लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है?

उत्तर— लेखक को अपनी दादी माँ के साथ-साथ बचपन में बीमार पड़ने पर उसका ध्यान रखना, उसे नींबू और साबूदाना खिलाना, रामी की चाची का सब रुपया माँफ कर देना याद आता है। इतना ही नहीं विवाह की रात हुए अभिनय में उसे छुपकर औरतों का अभिनय दिखाना याद है। उसने दादी माँ की आँखों में आँसू भी देखे और पिता की बुरी हालत पर दादी माँ द्वारा उन्हें अपने वंश की निशानी (कंगन) देना भी याद आता है।

प्रश्न 2. दादाजी की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई थी?

उत्तर— लेखक के पिता ने दादाजी के श्राद्ध में अपार (अतुल) संपत्ति व्यय कर दी थी। जोकि अपने घर की थी भी नहीं। इसलिए लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी।

प्रश्न 3. दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर— जब दादी माँ रामी की चाची से सारे रुपये सूद सहित लौटाने को कहती हैं परंतु अगले ही दिन उसके घर जाकर उसके सारे रुपये छोड़ देती है और साथ ही 10 रुपये और दे देती हैं जिससे रामी की चाची अपनी बेटी का ब्याह कर सके। उनके इस स्वभाव में स्नेहमयी ममता के साथ-साथ अनुशासन झलकता है। यह पक्ष सबसे अच्छा लगा।

• कहानी से आगे—

प्रश्न 1. आपने इस कहानी में महीनों के नाम पढ़े, जैसे—क्वार, आषाढ़, माघ। इन महीनों में मौसम कैसा रहता है, लिखिए।

उत्तर— क्वार-वर्षा; आषाढ़-गर्मी; माघ-सर्दी।

प्रश्न 2. 'अपने-अपने मौसम की अपनी-अपनी बातें होती हैं'—लेखक के इस कथन के अनुसार यह बताइए कि किस मौसम में कौन-कौन सी चीजें विशेष रूप से मिलती हैं?

उत्तर— लेखक के अनुसार आषाढ़ में आम और जामुन, अगहन में चिउड़ा और गुड़, चैत के दिनों में लाई तथा गुड़ की पट्टी विशेष रूप से मिलती है।

• अनुमान और कल्पना—

प्रश्न 1. इस कहानी में कई बार ऋण लेने की बात आपने पढ़ी। अनुमान लगाइए, किन-किन पारिवारिक परिस्थितियों में गाँव के लोगों को ऋण लेना पड़ता होगा और यह उन्हें यह कहाँ से मिलता होगा? बड़ों से बातचीत कर इस विषय में लिखिए।

उत्तर— शादी-ब्याह, बच्चों की शिक्षा, छोटे-मोटे व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए, अचानक आई बीमारी जैसी पारिवारिक परिस्थितियों में गाँव के लोगों को ऋण लेना पड़ता है। यह ऋण उन्हें बड़े-बड़े जमींदारों, साहूकारों, महाजनों आदि से मिलता है। आजकल लोग गाँव में बैंक से भी ऋण लेने लगे हैं।

प्रश्न 2. घर पर होनेवाले उत्सवों/समारोहों में बच्चे क्या-क्या करते हैं? अपने और अपने मित्रों के अनुभवों के आधार पर लिखिए।

उत्तर— घर पर होने वाले उत्सवों/समारोहों में हम बच्चें बड़ी धमा-चौकड़ी मचाते है। अंदर-बाहर, ऊपर-नीचे दौड़ लगाते रहते है। हम मम्मी-पापा की छोटे-छोटे कामों में मदद करते है। कोई मेहमान आता है तो खुब शोर मचाकर खुशी

Scanned with CamScanner

जाहिर करते है अनजान मेहमान को देखकर शरमाकर मम्मी पापा के साथ खड़े हो जाते है। घर की सजावट करते है। बाजार से सामान ला देते है। नाचते है, अंताक्षरी खेलते है। हम बच्चों से उत्सव की रौनक बढ़ जाती है।

• भाषा की बात—

प्रश्न 1. नीचे दी गई पंक्तियों पर ध्यान दीजिए—

ज़रा-सी कठिनाई पड़ते
अनमना-सा हो जाता है
सन-से सफ़ेद

• समानता का बोध कराने के लिए सा, सी, से का प्रयोग किया जाता है। ऐसे पाँच और शब्द लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर— (i) भरत को राम-सा भाई मिलना मुश्किल है।
(ii) सीता का मुख चंद्रमा-सा है।
(iii) राम और श्याम जुड़वा भाई हैं उनका चेहरा एक जैसा है।
(iv) मालती को विद्यालय जाने में जरा-सी देर हो गई।
(v) लक्ष्मण-सा भाई पाकर मोहन आज प्रसन्न था।

प्रश्न 2. कहानी में 'छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं, पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देतीं'—जैसे वाक्य आए हैं। किसी क्रिया को ज़ोर देकर कहने के लिए एक से अधिक बार एक ही शब्द का प्रयोग होता है। जैसे वहाँ जा-जाकर थक गया, उन्हें ढूँढ़-ढूँढ़कर देख लिया। इस प्रकार के पाँच वाक्य बनाइए।

उत्तर— (i) किशन ने नरेश को पकड़-पकड़कर मारा।
(ii) रीटा ने सारा काम अपनी माँ को देख-देखकर सीखा।
(iii) सिर्फ़ एक खिलौने के टूट जाने से गौरी ने रो-रोकर अपना बुरा हाल कर लिया है।
(iv) टॉम ने हैरी को सारा पाठ लिख-लिखकर याद करवाया।
(v) पिता अपने बेटे से कह-कहकर थक गया।

प्रश्न 3. बोलचाल में प्रयोग होनेवाले शब्द और वाक्यांश 'दादी माँ' कहानी में हैं। इन शब्दों और वाक्यांशों से पता चलता है कि यह कहानी किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित है। ऐसे शब्दों और वाक्यांशों में क्षेत्रीय बोलचाल की खूबियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए—निकसार, बरहा, ठरिन, चिठड़ा, छौंका इत्यादि शब्दों को देखा जा सकता है। इन शब्दों का उच्चारण अन्य क्षेत्रीय बोलियों में अलग ढंग से होता है, जैसे—चिठड़ा को चिड़वा, चूड़त्र, पोहा और इसी तरह छौंका को छौंक, तड़का भी कहा जाता है। निकसार, ठरिन और बरहा शब्द क्रमशः निकास, उऋण और बरहा शब्द का क्षेत्रीय रूप हैं। इस प्रकार के दस शब्दों को बोलचाल में उपयोग होनेवाली भाषा/बोली से एकत्र कीजिए और कक्षा में लिखकर दिखाइए।

उत्तर— अमझोर, छन्नौटा, परनाम, ह्योकची, नून, अगोरना, लैया (मूरी), अंत्य, अंडी, बिहान।

Scanned with CamScanner